Patrika (Indore), 03rd June 2026, Page – 16 (Front Page-plus 06)

#Examination: तनाव और कठिन पेपर का असर, टॉप-100 में घटी संख्या; अब शुरू हुई आइआइटी सीटों की असली दौड़

जेईई-एडवांस्ड: इंदौर का प्रदर्शन थोड़ा फीका, फिर भी टॉप रैंकर्स की पहचान कायम

पत्रिका विश्लेषण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. जेईई-एडवांस्ड 2026 के परिणाम घोषित होने के साथ ही देशभर में आइआइटी प्रवेश की दौड़ शुरू हो गई है। इंदौर के परिणामों का विश्लेषण करें तो इस साल शहर का प्रदर्शन पिछले साल की तुलना में कुछ कमजोर रहा है। हर साल टॉप-100 ऑल इंडिया रैंक (एआइआर) में इंदौर के 12 से 14 विद्यार्थी जगह बनाते थे तो इस बार यह संख्या घटकर 10 रह गई है। टॉप-1000 रैंक में भी शहर के विद्यार्थियों की संख्या में कमी है।

शिक्षाविदों का मानना है कि परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों में बढ़ा तनाव और पेपर का अपेक्षाकृत कठिन स्तर इसके प्रमुख कारण रहे हैं। कठिन प्रश्नपत्र के चलते कई मेधावी विद्यार्थियों की रैंक उम्मीद से पीछे चली गई। इस बार कंप्यूटर साइंस, एआइ और डाटा साइंस, मैथमेटिक्स कंप्यूटिंग ब्रांच का स्कोप है। वहीं, मिडिल ऑर्डर रैंक के विद्यार्थी इकोनामिक्स ब्रांच लेना भी पसंद कर रहे हैं। इसके साथ ही सेमीकंडक्टर से जुड़ी ब्रांच में भी रूझान रहता है।

अब रिजल्ट नहीं, ब्रांच और कॉलेज की जंग

विशेषज्ञों के अनुसार जेईई-एडवांस्ड का परिणाम आने के बाद अब विद्यार्थियों और अभिभावकों के सामने सबसे बड़ा सवाल उपयुक्त आइआइटी और ब्रांच का चयन है। इस बार भी आइआइटी बॉम्बे की कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) सबसे ज्यादा मांग वाली शाखा बनी हुई है। पिछले सालों के ट्रेंड के आधार पर इसके ऑल इंडिया रैंक 61 के आसपास बंद होने की संभावना है। इस साल भी लगभग 17 हजार तक की रैंक वाले विद्यार्थियों को विभिन्न आइआइटी में सीट मिलने की संभावना है। जोसा की सीट मैट्रिक्स जारी होने के बाद स्थिति और स्पष्ट होगी।

इंदौर के विद्यार्थियों के लिए क्या हैं संभावनाएं?

विशेषज्ञों के अनुसार रैंक के आधार पर इंदौर के विद्यार्थियों के लिए अवसर इस प्रकार बन रहे हैं–

- **टॉप-100 एआइआर :** आइआइटी बॉम्बे, दिल्ली, कानपुर और मद्रास में कंप्यूटर साइंस मिलने की प्रबल संभावना।
- **100 से 500 एआइआर :** एमएनसी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और इलेक्ट्रिकल जैसी हाई-डिमांड ब्रांचें उपलब्ध हो सकती हैं।
- **500 से 1000 एआइआर :** आइआइटी रूड़की, बीएचयू, हैदराबाद और गुवाहाटी में कंप्यूटर साइंस तथा पुराने आइआइटी की प्रमुख कोर ब्रांचें मिलने की संभावना।
- **1000 से 4000 एआइआर :** आइआइटी इंदौर, गांधीनगर, रोपड़, मंडी, जोधपुर, पटना और भुवनेश्वर में कंप्यूटर साइंस के अच्छे अवसर।
- **4000 से 8000 एआइआर :** पुराने आइआइटी में सिविल, केमिकल, मेटलर्जी जैसी शाखाएं और नई आइआइटी में कंप्यूटर साइंस मिल सकती है।
- **8000 से 12000 एआइआर :** आइआइटी इंदौर सहित दूसरी दूसरी पीढ़ी के आइआइटी में कई कोर और इंटरडिसिप्लिनरी ब्रांचों में प्रवेश की संभावना।
- **12000 से 17000 एआइआर :** नई आइआइटी जैसे पलक्कड़, तिरुपति, गोवा, भिलाई और जम्मू में प्रवेश के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

गर्ल्स कोटे से बढ़ती हैं संभावनाएं

विशेषज्ञों का कहना है कि आइआइटी में छात्राओं के लिए उपलब्ध 20 प्रतिशत सुपरन्यूमरेरी सीटों के कारण लड़कियों को अपेक्षाकृत पीछे की रैंक पर भी बेहतर संस्थान और शाखाएं मिल सकती हैं। इससे इंदौर की छात्राओं के लिए भी अवसर बढ़े हैं।

आइआइटी नहीं तो भी विकल्प खुले

जिन विद्यार्थियों की रैंक अपेक्षाकृत पीछे है, उनके लिए भी अवसर खत्म नहीं हुए हैं। जेईई-एडवांस्ड स्कोर के आधार पर इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी विशाखापट्टनम और राजीव गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी जैसे संस्थानों में प्रवेश के विकल्प उपलब्ध हैं। इन संस्थानों की आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस बार इंदौर के टॉप रैंकर्स की संख्या में हल्की गिरावट है, लेकिन शहर अब भी देश के प्रमुख जेईई हब्स में शामिल है। विशेषज्ञ मुकेश पोरवाल कहते हैं कि काउंसलिंग के दौरान सही ब्रांच और संस्थान का चयन ही विद्यार्थियों के भविष्य की दिशा तय करेगा। ऐसे में अब असली परीक्षा रैंक से आगे बढ़कर कॅरियर प्लानिंग और काउंसलिंग की है।

आइआइटी में सीटें बढ़ने की संभावना

साल 2025-26 में 23 आइआइटी में 18160 सीटें थी, जो इस बार बढ़कर 19 हजार से ज्यादा होने की संभावना है। आइआइटी पलक्कड़, धारवाड़, जम्मू, भिलाई और तिरुपति में 2025-26 में ही 1364 सीटें जोड़ी गई थीं। 2026-27 में इन 5 आइआइटी में 1738 नई सीटें और बढ़ने की उम्मीद है। इस बार आइआइटी में एआइ और डेटा साइंस जैसी नई ब्रांचें शुरू हो चुकी हैं।